Hindi
Practice Paper - II

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 100**

विभाग - 1 : गद्य (24 अंक)

प्र. 1 (अ) पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **8 अंक**

कुछ देर बाद हमारी टॅक्सी मडगाँव से पाँच किमी दूर दक्षिण में स्थित कस्बा बेनालियम के एक रिसॉर्ट में आकर रूक गई । यह रिसॉर्ट हमने पहले से बुक कर लिया था । इसलिए औपचारिक खानापूर्ति कर हम आराम करने के इरादे से अपने-अपने स्यूट में चले गए । इससे पहले कि हम कमरों से बाहर निकले, मैं आपको गोवा की कुछ खास बातें बता दूँ । दरअसल, गोवा राज्य दो भागों में बँटा हुआ है । दक्षिण गोवा जिला तथा उत्तर गोवा जिला । इसकी राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है । यह नदी काफी बड़ी है तथा वर्ष भर पानी से भरी रहती है । फिर भी समुद्री इलाका होने के कारण यहाँ मौसम में प्रायः उमस तथा हवा में नमी बनी रहती है । शरीर चिपचिपाता रहता है लेकिन मुंबई जितनी नहीं, क्योंकि यहाँ का क्षेत्र हरीतिमा से भरपूर है फिर भी धूप तो तीखी ही होती है ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- **2**

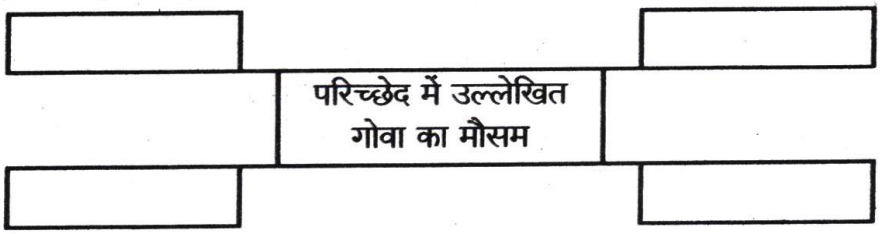

(2) नाम लिखिए :-

(i)

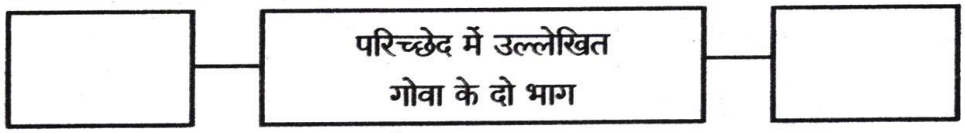

1

(ii)

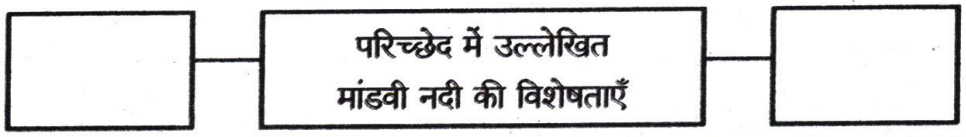

1

(3) कोष्ठक में दी गई संज्ञाओं में विशेषण संलग्न हैं । नीचे दी गई सारिणी में संज्ञा तथा विशेषणों को भेदों सहित लिखिए :- **2**

(भयभीत गाय, नीला पानी, दस लीटर दूध, चालीस छात्र, कुछ लोग, दो गज जमीन, वही पानी, यह लड़का)

संज्ञा	भेद	विशेषण	भेद
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(4) 'प्रकृति को सुंदर बनाए रखने में मेरा योगदान' – इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

प्र. 1 (आ) पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : – **8 अंक**

यहाँ सरदी अच्छी है। फूलों में गुलदाउदी, क्रिजेन्थीमम फूल बहार में हैं। उसकी कलियाँ महीनों तक खुलती ही नहीं मानो भारी रहस्य की बात पेट में भरी दी हो और होठों को सीकर बैठ गई हों। जब खिलती है तब भी एक-एक पंखुड़ी करके खिलती हैं। वे टिकते हैं बहुत। गुलाब भी खिलने लगे हैं। कोस्मोस के दिन गए। उन्होंने बहुत आनंद दिया। जिनिया का एक पौधा, रास्ते के किनारे पर था जो आए सो उसकी कली तोड़े। फिर मैंने इस बड़े पौधे को वहाँ से निकालकर अपने सिरहाने के पास लगा दिया, फिर इसने इतने सुंदर फूल दिए। इसकी आँखे मानो उत्कटता से बोलती हों, ऐसी लगती। दो-एक महीने फूल देकर अंत में वह सूख गया। परसों ही मैने उसे बिदा दी।

(1) तुलना कीजिए :– **2**

	गुलदाउदी	जिनिया
1.	_____	_____
2.	_____	_____

(2) विधानों को सही/गलत पहचानकर गलत विधानों को सही करके लिखिए :– **2**

(i) गुलदाउदी की कलियाँ हमेशा खिलती हैं।

(ii) कोस्मोस के दिन आ गए।

(iii) जिनिया का एक पौधा नजर नहीं आ रहा था।

(iv) सरदी में गुलाब भी खिलने लगे हैं।

(3) (1) जिन्हे 'ता' प्रत्यय लगा हो ऐसे शब्द पाठ से ढूँढकर उन प्रत्यय साधित शब्दों की सूची बनाइए :– **1**

शब्द	'ता'	प्रत्ययसाधित शब्द
मित्र	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

उत्तरे : (1) मानव - मानवता (2) कुशल - कुशलता
(3) आवश्यक - आवश्यकता (4) उत्कट - उत्कटता

(2) समानार्थी शब्द लिखिए :- 1

(i) हरीतिमा - . . . . . (ii) सैलानी - . . . . . .

उत्तरे : (i) हरियाली (ii) पर्यटक, सैर करनेवाले ।

(4) 'पत्रलेखन का सिलसिला जारी रहना चाहिए' इस विषयपर अपने विचार लिखिए । 2

प्र. 1 (इ) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **8 अंक**

प्रत्येक मनुष्य गुण-दोषपूर्ण है । किसी मनुष्य में गुण अधिक होते हैं तो किसी में दोष । किंतु जिनमें हम दोष देखते हैं उनमें गुण होते ही नहीं सो बात नहीं । निर्दोष केवल परमेश्वर है । गुण-दोषमय सच्चरित्र मनुष्य का प्रयत्न अपने गुण-दोषों को देख नहीं पाता । अपने जीवन की मार्मिक एवं यथातथ्य आलोचना वह स्वयं कर नहीं पाता और दूसरे, वह स्वयं निष्पक्ष होकर अपने दोष दिखाना नहीं चाहता । उसे इसमें अपनी अप्रतिष्ठा होने का भय होता है । अतः जीवन की आलोचना या गुण-दोष विवेचन औरों से ही संभव है । निंदक जिसकी निंदा करना चाहता है उसके गुणों की अपेक्षा दुर्गुणों को ही देखता है; उसको तो लघु में लघु दोष भी निंदा करने के लिए पर्याप्त होता है । अतः तात्पर्य यह है कि व्यक्ति दूसरे के दोष मात्र को अपनी पैनी दृष्टि से देखता है और उसकी चर्चा औरों के पास करता है । इसीलिए किसी मनुष्य को अपने दोष ज्ञात करा लेने हो तो निंदक ही को पास रखने से अधिक लाभ होगा । हमारा अपना हेतु होता है दोषों को घटाकर गुणों को बढ़ाना । और दोष नमक-मिर्च लगाकर दिखाने का कार्य निंदक ही सबसे अच्छे ढंग से करता है । इसीलिए यदि हमें निर्दोष बन अपनी उन्नति एवं विकास करना है तो निंदक को पास में रखना चाहिए । जैसे, साबुन से मैल धुल जाता है वैसे निंदक ही निंदा से हमारे दोषों को मैल धुलकर हमारा शुद्ध विकास होने में सहायता होती है । इसलिए इसमें संदेह नहीं है कि 'निंद-नियरे राखिए' वाली उक्ति अपने को उन्नत बनाने के लिए पोषक है ।

"निंद-नियरे राखिए आँगन कुटी छवाए
बिन-साबुन पानी बिना निर्मल करे सुभाएँ ।"

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :- 2

निंदक को पास रखने से होनेवाले लाभ
↓
↓
↓
↓

(2) समानता लिखिए :- 2

	साबुन	निंदक
1.	_____	_____
2.	_____	_____

(3) (i) कृति पूर्ण कीजिए :- 1

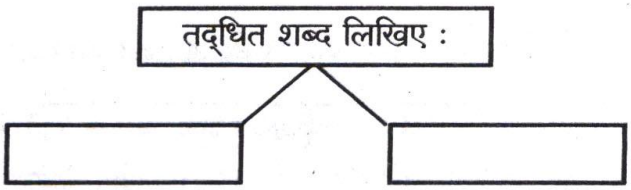

(ii) परिच्छेद में प्रयुक्त किसी एक विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए :- 1

(4) 'निंदक का मनुष्य के जीवन में महत्त्व' लिखिए । 2

विभाग - 2 : पद्य (18 अंक)

प्र. 2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - 6 अंक

जगे हम, लगे जगाने विश्व, लोक में फैला फिर आलोक,
व्योमतम पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक ।
विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल कर में सप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम संगीत ।
विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम
भिक्षु होकर रहते सम्राट, दया दिखलाते घर-घर घूम ।
'गोरी' को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- 2

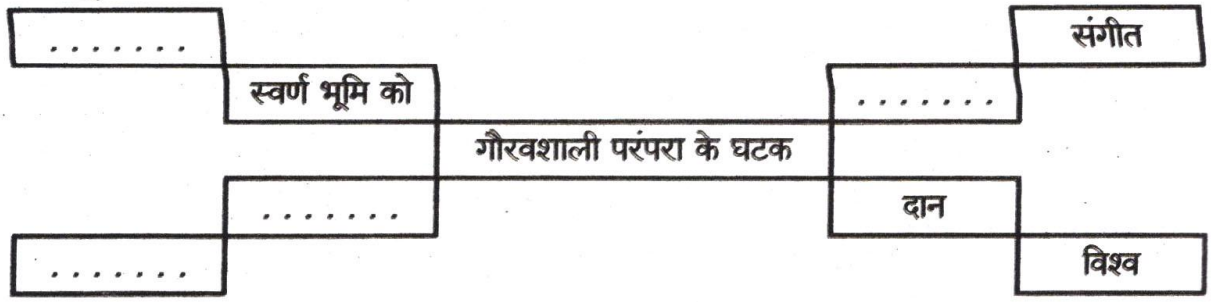

(2) उत्तर लिखिए :- 2

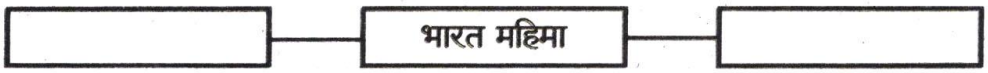

(3) प्रस्तुत पद्यांश की किन्हीं दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । 2

प्र. 2 (आ) निम्नलिखित कविताओं में से किसी एक का विश्लेषण निम्न मुद्दों के आधार पर कीजिए : -

6 अंक

(1) अपनी गंध नही बेचूँगा अथवा

(2) समता की ओर

मुद्दे :

(1) रचनाकार का नाम **1**

(2) रचना की विधा **1**

(3) पसंद की पंक्तियाँ **1**

(4) पंक्तियाँ पसंद होने का कारण **1**

(5) रचना से प्राप्त संदेश **2**

प्र. 2 (इ) अपठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **6 अंक**

अपना दुख अपनी तनहाई
अपने मीत अमीत
सुनाएँ किसको मन का गीत
समय का पंछी बोल सुनाए
अपने हुए पराए
ये मौसम रास न हमको आए
डाली-डाली पतझड़ बोले
सावन रुत भयभीत
सुनाएँ किसको मन का गीत
सच की चुन्दरी धज्जी-धज्जी
झूठ की चादर लम्बी
यही है दुनिया तेरी कहानी
सारे सच्चे, तो दुख भोगे
सुख झूठों का मीत
सुनाएँ किसको मन का गीत

(1) कृति पूर्ण कीजिए :- **2**

मन के गीत की विशेषताएँ

(1) . . . . . .

(2) . . . . . .

(3) . . . . . .

(4) . . . . . .

(2) सही विकल्प लिखकर वाक्य पूर्ण कीजिए :- 1

(i) समय का पंछी लोरी । बोल गजल सुनाए ।
यही है दुनिया सबकी । तेरी-मेरी कहानी ।

(ii) शब्दों का अर्थ लिखिए : 1

चुंदरी _____ तनहाई _____

उत्तरे : (ii) चुंदरी - चुनरी, दुपट्टा ; तनहाई - एकांत ।

(3) अंतिम पाँच पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । 2

विभाग - 3 : पूरक पठन (8 अंक)

प्र. 3 (अ) पठित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **4 अंक**

उनके पतिदेव को स्वर्ग सिधारे कालांतर हो चुका था । बेटे तरुण हो-होकर चल बसे थे । अब एक भतीजे के सिवाय और कोई न था । उसी भतीजे के नाम उन्होंने अपनी सारी संपत्ति लिख दी । लिखाते समय भतीजे ने खूब लंबे-चौड़े वादे किए किंतु वे सब वादे केवल कुली डिपो के दलालों ने दिखाए हुए सब्जबाग थे । यद्यपि उसे संपत्ति की वार्षिक आय डेढ दो-सौ रुपये से कम न थी तथापि बूढ़ी काकी को पेट भर भोजन भी कठिनाई से मिलता था । इसमें उनके भतीजे पंडित बुद्धिराम का अपराध था अथवा उनकी अर्धांगिनी श्रीमती रूपा का इसका निर्णय करना सहज नहीं । बुद्धिराम स्वभाव के सज्जन थे किंतु उसी समय तक जबकि उनके कोष पर कोई आँच न आए । रूपा स्वभाव से तीव्र थी सही, पर ईश्वर से डरती थी । अतएव बूढ़ी काकी को उसकी तीव्रता उतनी न खलती थी जितनी बुद्धिराम की भलमनसाहत ।

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :- 2

बुद्धिराम की काकी के प्रति दुर्व्यवहार की चार बातें

(2) 'बुजुर्ग आदर-सन्मान के पात्र होते हैं, दया के नहीं' इस सुवचन पर अपने विचार लिखिए । 2

प्र. 3 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **4 अंक**

क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो,
ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो,
छोड़ सारे सुर-असुर, मैं आज उसका ध्यान कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- 2

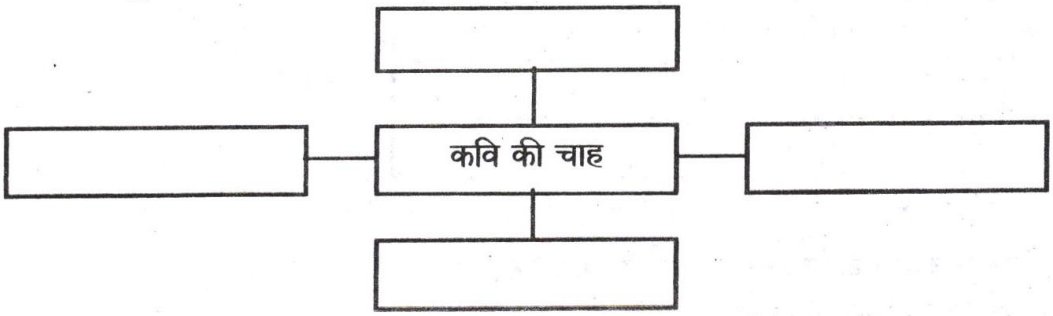

(2) देश की प्रगति में 'किसान का योगदान' इस विषय पर अपने विचार लिखिए :- 2

विभाग - 4 : भाषा अध्ययन (व्याकरण) (18 अंक)

प्र. 4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : -

(1) (i) सूचना के अनुसार शब्द में परिवर्तन कीजिए :- 1

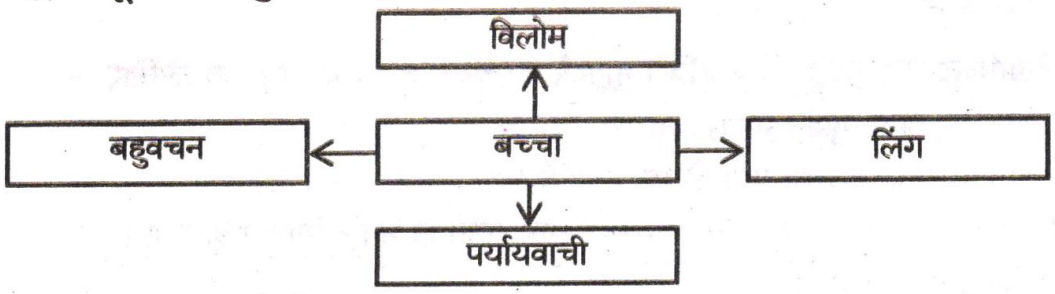

उत्तरे : (1) विलोम शब्द : बच्चा × बूढ़ा ।
(2) पर्यायवाची : बच्चा = बालक ।
(3) बहुवचन : बच्चा = बच्चे ।
(4) लिंग परिवर्तन : बच्चा = बच्ची

(ii) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए :- 1

कुछ

उत्तर : मुझे कुछ रूपयों की जरूरत है ।

(2) (i) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए :- 1

वाह ! कितना सुन्दर झरना है ।

(ii) अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- 1

परंतु

उत्तरे : (i) वाह ! : विस्मयादि बोधक
(ii) चाहे उसमें कितने ही गुण परंतु ढेर सारी कमजोरियाँ भी होती है ।

(3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :- 2

(I) कमला घर से बाहर जाती थी । (सामान्य वर्तमान)

(II) स्कूल की घंटी बजी (पूर्ण भूतकाल)

उत्तरे : (i) कमला घर से बाहर जाती है । (ii) स्कूल की घंटी बजी थी ।

(4) तालिका पूर्ण कीजिए :- 2

संधि	संधि विच्छेद	भेद
पुस्तकालय	. . . . . + ...	-
-	दुः + गति	-

उत्तरे : (i) पुस्तक + आलय (ii) दुर्गति - दुः + गति = दुर्गति ।

(5) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- 1

मालूम होता है, आपको बहुत लाभ हुआ है ।

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- 1

तुम्हे अपना ख्याल रखना चाहिए । (आज्ञार्थक वाक्य)

उत्तरे : (i) संयुक्त वाक्य (ii) तुम अपना ख्याल रखो ।

(6) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- 1

तू तू मैं मैं करना ।

(ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- 1

(मन तरंगायित होना, मुक्ति पाना)

गोवा का नाम सुनते ही मन उमंग से भर जाता है ।

उत्तरे : (i) लड़ाई-झगड़ा करना (ii) गोवा का नाम सुनते ही मन तरंगायित हो गया ।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- 2

(i) वह शत्रु की भलाइयाँ करता है ।

(ii) आपका दर्शन ही दुर्लभ है ।

उत्तरे : (i) वह शत्रू की भलाई करता है ।

(ii) आपके दर्शन ही दुर्लभ है ।

(8) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए :- 1

(i) हम अपनी पढ़ाई कर चुके । (ii) तुम मेरे घर प्रतिदिन आया करो ।

उत्तरे : (i) मुख्य क्रिया - पढ़ाई करना + सहायक क्रिया - चुकना ।

(ii) मुख्य क्रिया - आया (आना) + सहायक क्रिया - करना ।

(9) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :- 1

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
देना	_____	_____

उत्तरे : प्रथम - दिलाना, द्वितीय - दिलवाना ।

(10) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- 1

ऊह मेरे सिर में भयंकर पीड़ा है ।

उत्तरे : ऊह ! मेरे सिर में भयंकर पीड़ा है ।

(11) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- 1

हम हवाई जहाज से दिल्ली रवाना हो रहे हैं ।

उत्तरे : हवाई जहाज से - करण कारक ।

विभाग - 5 : उपयोजित लेखन (32 अंक)

प्र. 5 (अ) (1) पत्र लेखन : -

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्र लेखन कीजिए :- 5

10/405 आंबेडकर पथ, सांगली से राम/रमा चिटणीस व्यवस्थापक पुस्तक भांडार, लक्ष्मी पथ, पुणे को पत्र लिखकर निम्नलिखित पुस्तकें मँगवाता/मँगवाती है ।

(1) सरल पत्राचार - प्रा. शाह - बोर्वणकर

(2) हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरू

(3) रंगसप्तक - प्रा. शाह - मांडके

अथवा

मानस/मानसी जोशी, 117, गांधी चौक, परभणी से मुख्याध्यापक, आदर्श विद्यालय, नेताजीनगर, जलगाँव को 'गणित' के अध्यापक की नौकरी के लिए आवेदन पत्र लिखता/लिखती है ।

(2) गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति :-

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हों । 5

बापू का स्पष्ट मत था कि स्वर्ग का राज्य बच्चों के लिए है, बच्चों के सिवा उसमें कोई भी प्रवेश नहीं कर पाता । क्योंकि बच्चे निर्दोष हुआ करते हैं । उन जैसा छलरहित, निष्पाप और भोला-भाला संसार में दूसरा कोई नहीं । अगर किसी बच्चे में अवगुण हैं, कोई बुराई है तो यह उसका दोष नहीं, उसके आसपास रहनेवाले व्यक्तियों का दोष है, क्योंकि बच्चा जो कुछ सीखता है अपने आसपास के वातावरण से ही सीखता है । बच्चों को पीटना बापू की दृष्टि में एक महापाप है । कारण कोई हो कैसा भी अपराध हो गया हो, भय दिखाकर या मारपीटकर बच्चे के साथ दुर्व्यवहार करना कभी उचित नहीं । बच्चों की गलितयों को उन्हे प्रेम स्नेह से समझा देना चाहिए । ऐसा करने से उनमें सुधार हो जाता है ।

बापू चाहते थे कि भारत के गाँव-गाँव में 'बाल-मंदिर' खुलें, जहाँ सुशिक्षित महिलाएँ उन्हे साफ रहना सिखाएँ - खेल-कूद द्वारा पढाएँ, उन्हे अच्छी-अच्छी बातें सिखाएँ, उन्हें वीर और निर्भय बनाएँ । बच्चों के प्यारे बापू अब नहीं रहे, परन्तू उनके आशीर्वाद तो बच्चों को सदैव मिलते रहेंगे ।

प्र. 5 (आ) (1) वृत्तांत लेखन : - 5

सुभाष विद्यालय, कल्याण में मनाए गए 'पारितोषिक वितरण समारोह' का लगभग 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए ।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का होना अनिवार्य है ।)

(2) **विज्ञापन लेखन : -** **5**

'शिवाजी विद्यालय', चालीसगाँव में आयोजित जापानी भाषा संभाषण वर्ग के संबंधी लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

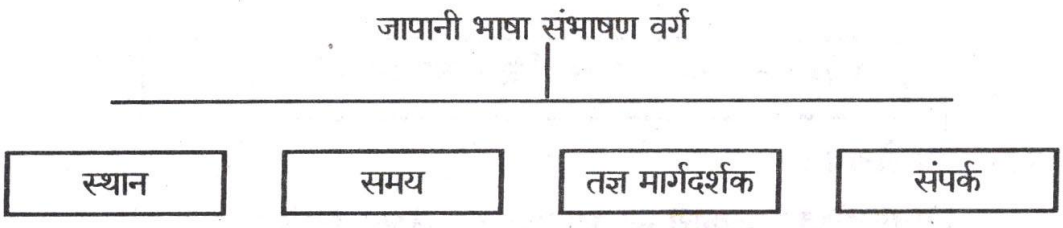

(3) **कहानी लेखन : -** **5**

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए :-

चार चोर, धन, भूख, मिठाई, कुआ ।

प्र. 5 (इ) निबंध लेखन : - **7**

निम्नलिखित विषयों में किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) अगर दर्जी हड़ताल कर दे . . . . . .

(2) आज का सामाजिक वातावरण . . . . . .

■■■